पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

पत्र की शुरुआत स्पष्ट शीर्षक से होती है:

“पौलुस, सिलास और तीमुथियुस, परमेश्वर हमारे पिता और प्रभु यीशु
मसीह में थेस्सलोनिकियों की चर्च को।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 1:1

हालांकि पौलुस मुख्य लेखक हैं, उन्होंने सिलास (सिलवानुस) और तीमुथियुस को सह-लेखक के रूप में शामिल किया है, संभवतः उनकी सेवाकारी एकता और संदेश की विश्वसनीयता को पुष्ट करने के लिए। यह पत्र पौलुस ने कोरिन्थ में लिखा था, लगभग ईस्वी सन् 51-52 के दौरान, अपनी दूसरी मिशनरी यात्रा के समय (देखें प्रेरितों के काम 18)।

यह दूसरा पत्र संभवतः पहले थेस्सलोनिकियों के तुरंत बाद लिखा गया था, जो चर्च में “परमेश्वर के दिन” और ईसाई आचरण के बारे में भ्रम और उलझन के जवाब में था।

पत्र के मुख्य विषय

पौलुस तीन मुख्य धार्मिक चिंताओं को संबोधित करते हैं:

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

1. परीक्षा के बीच उत्साह
थेस्सलोनिकियों के विश्वासियों को अपने विश्वास के कारण बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। पौलुस उनकी सराहना करते हैं:

“इसलिए हम परमेश्वर की सभाओं में तुम्हारी सहनशीलता और तुम्हारे विश्वास का सब प्रकार के सताए जाने और परीक्षाओं में व्याकुलता
के बीच प्रशंसा करते हैं।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 1:4

पौलुस उन्हें आश्वस्त करते हैं कि परमेश्वर न्यायी हैं और एक दिन अपने लोगों का न्याय करेंगे। वह दो तरह का वादा करते हैं:

दुष्टों के लिए न्याय:

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“परमेश्वर न्यायी है; वह तुम्हें सताने वालों को दंड देगा… वह उन लोगों को दंड देगा जो परमेश्वर को नहीं जानते और हमारे प्रभु यीशु
के सुसमाचार का पालन नहीं करते; उन्हें अनन्त विनाश के दंड में
डाला जाएगा।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 1:6, 8–9

धर्मियों के लिए आराम और मुक्ति:

“…और तुम लोगों को जो पीड़ित हो, और हमें भी, आराम देगा, जब प्रभु
यीशु स्वर्ग से प्रज्वलित अग्नि में अपनी शक्तिशाली स्वर्गदूतों
के साथ प्रकट होगा।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 1:7

यह भविष्यवादी आशा (भविष्य की महिमा की आशा) पौलुस के ईश्वरीय न्याय और मसीह की अंतिम विजय की धर्मशास्त्रीय समझ को दर्शाती है (देखें रोमियों 12:19; प्रकाशितवाक्य 19:11–16)।

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

2. परमेश्वर के दिन को स्पष्ट करना
चर्च के कुछ लोग ग़लतफ़हमी में थे कि परमेश्वर का दिन – अंतिम न्याय और मसीह की वापसी – पहले ही आ चुका है। पौलुस इसे सुधारते हैं:

“हम प्रभु यीशु मसीह की आगमन और हमारे उसके साथ मिलन के विषय में तुमसे प्रार्थना करते हैं, हे भाइयों, कि तुम जल्दी से न विचलित हो
और न भयभीत हो, न इस प्रकार की बातें सुनकर कि परमेश्वर का दिन आ
गया है।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 2:1–2

पौलुस बताते हैं कि दो प्रमुख भविष्यवाणी घटनाएं पहले होनी चाहिए:

(1) पतन (अपोस्तसी)

“यह दिन तब तक नहीं आएगा जब तक विद्रोह न हो जाए।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 2:3

यह बाइबल की सच्चाई से बड़े पैमाने पर मोहभंग को दर्शाता है, जो 1 तीमुथियुस 4:1 और 2 तीमुथियुस 3:1–5 में भी भविष्यवाणी की गई है।

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

(2) विधर्मी व्यक्ति का प्रकट होना
यह व्यक्ति, जिसे अक्सर विरोधी मसीह माना जाता है (देखें 1 यूहन्ना 2:18), स्वयं को ऊपर उठाएगा:

“वह सब कुछ जो ‘ईश्वर’ कहा जाता है या पूजा जाता है, उसके ऊपर उठेगा,
और अपने आपको परमेश्वर घोषित करके परमेश्वर के मंदिर में बैठ जाएगा।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 2:4

वह शैतानी शक्ति द्वारा झूठे चमत्कार करेगा:

“विधर्मी का आगमन उसी प्रकार होगा जैसा शैतान के काम होते हैं; वह झूठ के लिए चमत्कार, संकेत और दैत्यों द्वारा सभी प्रकार के शक्ति प्रदर्शन करेगा।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 2:9

लेकिन उसकी सरकार थोड़े समय की होगी:

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“जिसे प्रभु यीशु अपने मुख की सांस से मार देगा और अपनी आगमन की
महिमा से विनाश करेगा।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 2:8

रोकने वाला
पौलुस बताते हैं कि अभी कोई चीज़ या कोई व्यक्ति विधर्मी को रोक रहा है:

“विधर्म का रहस्य अब भी काम कर रहा है, लेकिन जो उसे अभी रोक रहा
है, तब तक रोकेगा जब तक कि वह रास्ते से हट न जाए।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 2:7

अधिकांश धर्मशास्त्री इसे पवित्र आत्मा के रूप में देखते हैं, जो चर्च के माध्यम से कार्य करता है। जब चर्च (मसीह के साथ) उठाया जाएगा (1 थेस्सलोनिकियों 4:17), तब वह रोक हट जाएगा और विरोधी मसीह का शासन होगा।

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

3. मसीह की वापसी की दृष्टि से जिम्मेदार जीवन जीना
कुछ थेस्सलोनिकी ने काम करना बंद कर दिया था, सोचकर कि परमेश्वर का दिन निकट है। पौलुस उन्हें चेतावनी देते हैं:

“हम जब तुम्हारे साथ थे तब हमने यह नियम दिया कि जो काम करना नहीं चाहता, उसे भी खाना नहीं चाहिए।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 3:10

वे व्यक्तिगत जिम्मेदारी, मेहनत और व्यवस्थित ईसाई जीवन पर जोर देते हैं:

भलाई करते रहना (पद 13)
प्रेरितों द्वारा सिखाए गए परंपराओं का पालन करना (पद 6)
आलसी और परेशान करने वाले विश्वासियों से बचना (पद 14)

“और तुम, भाइयो, भलाई करने से कभी थक मत जाना।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 3:13

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

वे सुसमाचार के प्रचार के लिए प्रार्थना भी करने के लिए कहते हैं:

“हमारे लिए प्रार्थना करो कि प्रभु का वचन तीव्रता से फैले और
सम्मान पाए, जैसा कि तुम में भी है, और हमें बुरे और दुष्ट लोगों से बचाया जाए।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 3:1–2

निष्कर्ष और अनुप्रयोग

यह पत्र हमें याद दिलाता है कि:

परीक्षा में विश्वास व्यर्थ नहीं है—परमेश्वर देखता है और पुरस्कार देगा।
मसीह की वापसी निश्चित है, लेकिन इसे बाइबल के अनुसार समझना चाहिए, न कि डर या अटकलों के आधार पर।
हमें प्रार्थना, कार्य और भलाई में लगातर जिम्मेदारी से जीना चाहिए, जब तक कि वह वापस न आएं।

व्यक्तिगत चिंतन:

क्या आप परीक्षाओं के बीच अपने विश्वास में स्थिर हैं?
क्या आपके पास अंत समय का बाइबिल आधारित समझ है?
क्या आप अपने पादरियों और सुसमाचार प्रचारकों के लिए निष्ठापूर्वक प्रार्थना करते

पौलुस का थेस्सलोनिकियों के दूसरे पत्र का लेखक और धार्मिक अवलोकन

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

हैं?

“परमेश्वर, जो शांति का प्रभु है, वह तुम सब को हर समय हर तरह से
शांति प्रदान करे। प्रभु तुम सब के साथ हो।”
— 2 थेस्सलोनिकियों 3:16

आमीन। प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दे।

Share on:
WhatsApp

Print this post